चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........................अमर उजाला.....................

दिनांक 23.-.4.-.2021....पृष्ठ संख्या.......2..........कॉलम......1-5........

प्राकृतिक संसाधनों के दोहन से हो रहा पर्यावरण में असंतुलन : प्रो. कांबोज

माई सिटी रिपोर्टर

विश्व पृथ्वी दिवस पर विश्वविद्यालय के किसान छात्रावास परिसर में किया पौधरोपण

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) के कुलपति प्रोफेसर बीआर कांबोज ने कहा कि पृथ्वी सभी जीवों का पोषण करती है। प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन के कारण पर्यावरण में असंतुलन बढ़ रहा है, जिसकी वजह से स्थिति दयनीय होती जा रही है। ऐसे में हमें पृथ्वी के प्रति अपने कर्तव्यों को समझना पड़ेगा और इसे बेहतर बनाने में योगदान देना होगा। वे विश्व पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के किसान छात्रावास परिसर में वीरवार को पौधरोपण करने के बाद उपस्थित को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन भू-दृश्य इकाई के नियंत्रण अधिकारी डॉ. देवेंद्र दहिया की देखरेख में किया गया।

प्रोफेसर बीआर कांबोज ने बताया कि पहली बार 22 अप्रैल 1970 को विश्व पृथ्वी दिवस मनाया गया था। इस वर्ष की थीम पृथ्वी को पुनः स्थापित करना रखा गया है। पृथ्वी को स्वस्थ व पहले की तरह बनाने के लिए हम सभी को अपनी धरती को हरा-भरा और बेहतर बनाने का संकल्प लेना पड़ेगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी एवं अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

कृषि वैज्ञानिकों की सिफारिशों के अनुसार करें कपास की बिजाई : कुलपति

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। कपास की बिजाई किसान विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की सिफारिशों अनुसार करें, ताकि उनको अपनी फसल की अच्छी पैदावार मिले और अधिक मुनाफा हो। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने वीरवार को जारी बयान में कही।

उन्होंने कहा कि गत वर्ष जिन किसानों ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की सिफारिशों अनुसार फसल की बिजाई की थी, उनकी फसलों में बीमारियों का असर अन्य फसलों की तुलना में बहुत कम था। समय-समय पर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक भी किसानों से सोशल मीडिया, प्रिंट मीडिया व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से संपर्क में रहेंगे।

इसके लिए प्रदेश का कृषि विभाग एवं एचएयू के वैज्ञानिक संयुक्त रूप से एक जागरूकता अभियान भी जिलेवार चला रहे हैं। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत के अनुसार 28 अप्रैल तक चलने वाले अभियान को सफल बनाने के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की एक टीम गठित कर दी गई है। टीम में विश्वविद्यालय की ओर से आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग से सहायक वैज्ञानिक डॉ. सोमवीर, सहायक सस्य विज्ञानी डॉ. करमल सिंह, प्लांट पैथोलोजिस्ट डॉ. मनमोहन सिंह, कीट विज्ञानी डॉ. अनिल को शामिल किया गया है।

विश्व पृथ्वी दिवस पर पौधरोपण करते कुलपति प्रोफेसर बीआर कांबोज एवं अन्य।

ये रहेंगे टीम में शामिल

टीम में एक मृदा वैज्ञानिक और प्लांट पैथोलॉजिस्ट भी शामिल होंगे, जो मिट्टी की जांच आदि की जानकारी देंगे। इसके अलावा कृषि विभाग से जुड़े सभी अधिकारी, एटीएम, बीटीएम एवं कृषि सुपरवाइजर को इस प्रशिक्षण में प्रशिक्षित किया जाएगा। कपास अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. ओमेंद्र सांगवान ने बताया कि कपास अनुभाग के वैज्ञानिक लगातार कपास फसल में पैराविल्ट, पोषक तत्वों की कमी, सूखे के कारण कपास फसल के सूखने के कारणों का पता लगाएंगे और इनके निदान की संभावनाएं तलाशेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब केसरी.....

दिनांक 23.4.2021....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....2.5.....

'पर्यावरण में असंतुलन रोकने के लिए करने होंगे प्रयास : प्रो. काम्बोज'

हिसार, 22 अप्रैल (पंकेस): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि पृथ्वी जो कि सभी जीवों का पोषण करती है, मगर प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन के कारण पर्यावरण में असंतुलन बढ़ रहा है, जिसकी वजह से स्थिति दयनीय होती जा रही है। ऐसे में हमें पृथ्वी के प्रति अपने कर्त्तव्यों को समझना पड़ेगा और इसे बेहतर बनाने में योगदान देना होगा।

लगातार वृक्षों की कटाई, प्राकृतिक संसाधनों के साथ छेड़छाड़, अंधाधुंध रसायनिक खाद, कीटनाशकों, खरपतवारनाशी व प्लास्टिक के प्रयोग से हमारी धरती का स्वरूप एवं पर्यावरण खराब होता जा रहा है। ऐसे में इसे बचाए रखने के लिए समाज को अहम कदम उठाते हुए सामूहिक प्रयासों की जरूरत है। ये विचार उन्होंने विश्व पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के किसान छात्रावास के प्रांगण में पौधारोपण करने के उपरांत कहे। कार्यक्रम का आयोजन भू-दृश्य इकाई के नियंत्रण अधिकारी डॉ. देवेंद्र दहिया की देखरेख में किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी एवं अन्य कर्मचारी मौजूद रहे तथा पौधारोपण किया।

विश्व पृथ्वी दिवस पर पौधारोपण करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज एवं अन्य।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्कर.....

दिनांक 23.4.2021....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....5.8.....

एचएयू के वीसी ने कहा- प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन से पर्यावरण में असंतुलन बढ़ रहा

विश्व पृथ्वी दिवस पर एचएयू के किसान छात्रावास के प्रांगण में पौधरोपण, अवेयर भी किया

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू के वीसी प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि पृथ्वी जोकि सभी जीवों का पोषण करती है, मगर प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन के कारण पर्यावरण में असंतुलन बढ़ रहा है, जिसकी वजह से स्थिति दयनीय होती जा रही है।

ये विचार उन्होंने विश्व पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में एचएयू के किसान छात्रावास के प्रांगण में पौधारोपण करने के बाद कहे। कार्यक्रम का आयोजन भू-दृश्य इकाई के नियंत्रण अधिकारी डॉ. देवेंद्र दहिया की देखरेख में किया गया। प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि पहली बार 22 अप्रैल 1970 को विश्व पृथ्वी दिवस मनाया गया था। आगे चलकर इस दिन को मनाने के निर्णय को विश्व के लगभग सभी देशों ने स्वीकार किया और बदलते पर्यावरण की समस्या की गंभीरता को देखते हुए इसे प्रतिवर्ष विश्वभर में मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि प्रतिवर्ष विश्व पृथ्वी दिवस के लिए एक विषय निर्धारित किया जाता है। इस वर्ष की थीम पृथ्वी को पुनः स्थापित करना रखा गया है। पृथ्वी को स्वस्थ व पहले की तरह बनाने के लिए हम सभी का कर्तव्य है कि अपनी धरती को हरा-भरा और बेहतर बनाने का संकल्प लेना पड़ेगा ताकि संसार के सभी पेड़-पौधों, पशु-पक्षियों एवं जंतुओं की जैव विविधता का संरक्षण किया जा सके।

पौधरोपण करते एचएयू के वीसी प्रोफेसर बीआर काम्बोज एवं अन्य।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्कर.....

दिनांक 23.4.2021...पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....3-6.....

खेती-किसानी • एचएयू व कृषि विभाग मिलकर कपास की बिजाई के लिए करेंगे जागरूक, वीसी ने कहा-

जिन किसानों ने एचएयू वैज्ञानिकों की सिफारिश अनुसार बिजाई की उनकी फसलों में रोगों का असर अन्य की तुलना में कम था

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू के वीसी प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने कहा कि किसान कपास की फसल की बिजाई विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की ओर से बताई सिफारिशों के अनुसार करें ताकि किसान को अपनी फसल की अच्छी पैदावार मिले और अधिक से अधिक मुनाफा हो।

उन्होंने कहा कि गत वर्ष बीमारियों से प्रभावित हुई फसलों की जांच से पता चला कि जिन किसानों ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा की गई सिफारिशों के अनुसार फसल की बिजाई की थी, उनकी फसलों में बीमारियों का असर अन्य फसलों की तुलना में बहुत कम था। इसलिए किसान वैज्ञानिकों की सिफारिशों अनुसार फसलों की बिजाई करें ताकि अधिक फसल उत्पादन मिल सके। समय-समय पर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक भी किसानों से सोशल मीडिया के माध्यम से किसानों से संपर्क में रहेंगे। इसके लिए प्रदेश का कृषि विभाग एवं एचएयू के वैज्ञानिक संयुक्त रूप से एक जागरूकता अभियान भी जिलेवार चला रहे हैं।

• 28 अप्रैल तक चलेगा जागरूकता अभियान, एचएयू ने विशेषज्ञों की टीम बनाई: एचएयू के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत के अनुसार इस अभियान को सफल बनाने के लिए एचएयू के वैज्ञानिकों की एक टीम गठित की है। यह अभियान 28 अप्रैल तक चलाया जाएगा। इस टीम में एचएयू आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग से सहायक वैज्ञानिक डॉ. सोमवीर, सहायक सस्य विज्ञानी डॉ. करमल सिंह, प्लांट पैथोलोजिस्ट डॉ. मनमोहन सिंह, कीट विज्ञानी डॉ. अनिल को शामिल किया है। टीम में एक मृदा वैज्ञानिक और प्लांट पैथोलोजिस्ट भी शामिल होंगे, जोकि मिट्टी की जांच आदि की जानकारी देंगे।

पांच जगह प्रदर्शनी प्लांट लगाए जाएंगे

कपास अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. ओमेंद्र सांगवान ने बताया कि कपास अनुभाग के वैज्ञानिक लगातार कपास फसल में पैराविल्ट, पोषक तत्वों की कमी, सूखे के कारण कपास फसल के सूखने के कारणों का पता लगाएंगे और इनके निदान की संभावनाएं तलाशेंगे। किसानों के खेतों में पांच या इससे अधिक स्थानों पर जहां हल्की मिट्टी है, प्रदर्शनी प्लांट लगाकर किसानों को जागरूक किया जाएगा।

वैज्ञानिकों का सुझाव : बीटी कपास के दो पैकेट प्रति एकड़ बिजाई करें

कपास अनुभाग के वैज्ञानिकों ने किसानों को बीटी कपास का सिफारिश किया हुआ बीज खरीदने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा जिले के कृषि विभाग के अधिकारियों व कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिक प्रशिक्षण के माध्यम से किसानों को कपास उत्पादन से संबंधित नवीनतम जानकारी प्रदान करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि किसान बीटी कपास के दो पैकेट प्रति एकड़ के हिसाब से बिजाई करें और कतार से कतार की व पौधे से पौधे की दूरी 100 सेंटीमीटर व 45 सेंटीमीटर अथवा 67.5 सेंटीमीटर या 60 सेंटीमीटर रखें। साथ ही किसान 15 मई तक बीटी कपास की बिजाई पूरी करते हुए इसमें प्रति एकड़ के हिसाब से एक बैग यूरिया, एक बैग डी.ए.पी., 30 से 40 किलोग्राम पोटाश व 10 किलो जिंक सल्फेट(21 प्रतिशत) खेत की तैयारी के समय अवश्य डालें। फसल बिजाई के बाद जहां खुला पानी मौजूद है वहां 45 से 50 दिन या इसके बाद ही पानी लगाएं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक जागरण.....

दिनांक 23.4.2021....पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम.....7-8.....

विश्व पृथ्वी दिवस पर विश्वविद्यालय परिसर में किया पौधारोपण

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने कहा कि पृथ्वी जो कि सभी जीवों का पोषण करती है, मगर प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन के कारण पर्यावरण में असंतुलन बढ़ रहा है, जिसकी वजह से स्थिति दयनीय होती जा रही है। ऐसे में हमें पृथ्वी के प्रति अपने कर्तव्यों को समझना पड़ेगा और इसे बेहतर बनाने में योगदान देना होगा। लगातार वृक्षों की कटाई, प्राकृतिक संसाधनों के साथ छेड़छाड़, अंधाधुंध रसायनिक खाद, कीटनाशकों, खरपतवारनाशी व प्लास्टिक के प्रयोग से हमारी धरती का स्वरूप एवं पर्यावरण खराब होता जा रहा है। ऐसे में इसे बचाए रखने के लिए समाज को अहम कदम उठाते हुए सामूहिक प्रयासों की जरूरत है। ये विचार उन्होंने विश्व पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के किसान छात्रावास के प्रांगण में पौधारोपण करने के उपरांत कहे। कार्यक्रम का आयोजन भू-दृश्य इकाई के नियंत्रण अधिकारी डा. देवेंद्र दहिया की देखरेख में किया गया। (जासं)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... दैनिक भास्कर .....

दिनांक 21.4.2021 पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....6.....

भारतीय शिक्षण मंडल ने मनाया स्थापना दिवस

भास्कर न्यूज | हिसार

भारतीय शिक्षण मंडल ने अपना स्थापना दिवस मनाया। इस मौके पर एचएयू में वीसी डॉ. कंबोज और चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं भारतीय शिक्षण मंडल के प्रांत सह प्रमुख डॉ. राकेश वधवा बतौर अतिथि उपस्थित हुए। शिक्षण मंडल के संयोजक डॉ. जितेन्द्र जांगड़ा ने सरस्वती पूजन मंत्र का जाप किया। आशा हाई स्कूल की उपाचार्य डॉ. संजना धवन ने मंच का संचालन किया। डॉ. राकेश वधवा ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के निर्माण में भारतीय शिक्षण मंडल की सकारात्मक भूमिका पर प्रकाश डाला। जीजेयू में जनसंचार विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर तथा भारतीय शिक्षण मंडल के प्रान्त प्रचार प्रमुख डॉ. मनोज दयाल ने अध्यक्षता करते हुए कहा कि वर्ष 1969 में राम नवमी के ही दिन भारतीय शिक्षण मंडल की स्थापना हुई थी। तब से लेकर आज तक भारतीय शिक्षण मंडल ने शिक्षा में भारतीयता लाने के लिए अमूल्य योगदान दिया है। एचएयू के वैज्ञानिक डॉ. अनिल पंघाल और जीजेयू के सहायक प्रोफेसर डॉ. संदीप जिंदल ने भी विचार रखे।

1969 में राम नवमी को हुई थी भारतीय शिक्षण मंडल की स्थापना

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक सवेरा.....

दिनांक 23.4.2021....पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम.....3-6.....

एचएयू व कृषि विभाग मिलकर कपास की बिजाई के लिए जिलेवार कर रहा जागरूक

कृषि वैज्ञानिकों द्वारा बताई सिफारिशों अनुसार करें कपास की बिजाई : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार, 22 अप्रैल (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि किसान कपास की फसल की बिजाई विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा बताई गई सिफारिशों अनुसार करें ताकि किसान को अपनी फसल की अच्छी पैदावार मिले तथा अधिक से अधिक मुनाफा हो। उन्होंने कहा कि गत वर्ष बीमारियों से प्रभावित हुई फसलों की जांच-पड़ताल से पता चला कि जिन किसानों ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा की गई सिफारिशों अनुसार फसल की बिजाई की थी उनकी फसलों में बीमारियों का असर अन्य फसलों की तुलना में बहुत कम था। इसलिए किसान वैज्ञानिकों की सिफारिशों अनुसार फसलों की बिजाई करें ताकि अधिक से अधिक फसल उत्पादन मिल सके। समय-समय पर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक भी किसानों से सोशल मीडिया, प्रिंट मीडिया व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से किसानों से संपर्क में रहेंगे। इसके लिए प्रदेश का कृषि विभाग एवं एचएयू के वैज्ञानिक संयुक्त रूप से एक जागरूकता अभियान भी जिलेवार चला रहे हैं।

प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

28 तक चलाया जाएगा अभियान : अनुसंधान निदेशक

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डा. एस.के. सहरावत के अनुसार इस अभियान को सफल बनाने के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की एक टीम गठित कर दी गई है। यह अभियान 28 अप्रैल तक चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस टीम में विश्वविद्यालय की ओर से आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग से सहायक वैज्ञानिक डॉ. सोमवीर, सहायक सस्य विज्ञानी डॉ. करमल सिंह, प्लांट पैथोलोजिस्ट डॉ. मनमोहन सिंह, कीट विज्ञानी डा. अनिल को शामिल किया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्कर.....

दिनांक 23.4.2021...पृष्ठ संख्या.....9.....कॉलम.....2-6.....

अभियान **किसानों की आय दोगुणा करना लक्ष्य**

विवि के कुलपति प्रो. बीआर कंबोज ने वैज्ञानिकों को दिए निर्देश

कपास की खेती के लिए गांव-गांव जाकर वैज्ञानिक दे रहे प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि किसान कपास की फसल की बिजाई

विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा बताई गई सिफारिशों अनुसार करें ताकि किसान को अपनी फसल की अच्छी पैदावार मिले तथा अधिक से अधिक मुनाफा हो।

उन्होंने कहा कि गत वर्ष बीमारियों से प्रभावित हुई फसलों की जांच-पड़ताल से पता चला कि जिन किसानों ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा की गई

सिफारिशों अनुसार फसल की बिजाई की थी उनकी फसलों में बीमारियों का असर अन्य फसलों की तुलना में बहुत कम था। इसलिए किसान वैज्ञानिकों की सिफारिशों अनुसार फसलों की बिजाई करें ताकि अधिक से अधिक फसल उत्पादन मिल सके। इसके लिए प्रदेश का कृषि विभाग एवं एचएयू के वैज्ञानिक संयुक्त रूप से एक जागरूकता अभियान भी जिलेवार चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को विश्विवद्यालय की तरफ से हरसंभव सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी।

चलाया जाएगा अभियान

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत के अनुसार इस अभियान को सफल बनाने के लिए विश्विवद्यालय के वैज्ञानिकों की एक टीम गठित कर दी गई है। उन्होंने बताया कि इस टीम में विश्विवद्यालय की ओर से आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग से सहायक वैज्ञानिक डॉ. सोमवीर, सहायक सस्य विज्ञानी डॉ. करमल सिंह, प्लांट पैथोलोजस्टि डॉ. मनमोहन सिंह, कीट वज्ञिानी डॉ. अनिल को शामिल किया गया है। टीम में एक मृदा वैज्ञानिक और प्लांट पैथोलोजस्टि भी शामिल होंगे, जो मिट्टी की जांच आदि की जानकारी देंगे। कपास अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. ओमेंद्र सांगवान ने बताया कि कपास अनुभाग के वैज्ञानिक लगातार कपास फसल में पैरावल्टि, पोषक तत्वों की कमी व अन्य चीजों की जानकारी दी जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दिव्य भूमि.....

दिनांक 22.4.2021...पृष्ठ संख्या.....11.....कॉलम.....5.8.....

कपास को लेकर सभी जिलों में प्रशिक्षण शिविर

■ हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय बीटी कपास की खेती पर समसामयिक सुझाव किए जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

पिछले वर्ष कपास बिजाई क्षेत्रों में फसल में बीमारी एवं अन्य समस्याओं का प्रकोप बहुतायत मात्रा में हुआ था। इस को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार एवं कृषि विभाग हरियाणा सरकार के संयुक्त तत्वाधान में कपास के सभी जिलों में एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसका पहला चरण 13 से 28 अप्रैल तक पूरा कर लिया जाएगा।

फतेहाबाद में भी कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर में कृषि विभाग से जुड़े सभी अधिकारी, एटीएम, बीटीएम एवं कृषि सुपरवाइजर को प्रशिक्षित किया जा रहा है। इस प्रकार के शिविर कपास की अवस्था अनुसार लगातार जारी रहेंगे ताकि समय अनुसार किसानों को कपास में आने वाली समस्याओं से अवगत कराया जा सके व उनका निदान बताया जा सके। कृषि वैज्ञानिकों ने कहा कि किसान बीटी कपास का सिफारिश किया हुआ बीज ही लें। इसकी जानकारी के लिए किसान जिले के कृषि विभाग या कृषि विज्ञान केंद्र से संपर्क करें। बीटी कपास के दो पैकेट प्रति एकड़ के हिसाब से बिजाई करें। कतार से कतार व पौधे से पौधे की दूरी 100 गुणा 45 सेंटीमीटर या 67.5 गुणा 60 सेंटीमीटर रखें। किसान बीटी कपास की बिजाई 15 मई तक अवश्य पूरा कर लें। पूर्व से पश्चिम की दिशा में बीटी कपास की बिजाई लाभकारी होती है। बीटी कपास की बिजाई के समय एक एकड़ में एक बैग यूरिया, एक बैग डीएपी, 30 से 40 किलो पोटाश व 10 किलो जिंक सल्फेट (21 प्रतिशत) खेत की तैयारी के समय अवश्य डालें। बीटी कपास में जहां खुला पानी लगता है वहां पहला पानी बिजाई के 45-50 दिन या इसके बाद ही लगाएं। रेतीले इलाके में जहां फव्वारा विधि से पानी लगता है वहां भी कपास उगने के चार-पांच दिन बाद ही पानी लगाएं। पिछले साल जिन खेतों में या गांव में गुलाबी सुंडी की समस्या थी उन खेतों की लकड़ियां, टिंडे व पत्तों को झाड़ कर नष्ट कर दे।

किसान कृषि विभाग से संपर्क बनाए रखें

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बलदेव राज कंबोज ने कहा कि पिछले वर्ष बीमारियों से नष्ट हुई फसलों की जांच पड़ताल करने से पता चला है कि जिन किसानों ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा बताई गई सिफारिशों के अनुसार फसल की बिजाई की थी, उनकी फसल में बीमारियों का असर अन्य फसलों की तुलना में बहुत कम रहा था। कुलपति ने बताया कि इस वर्ष कपास की बिजाई किसान विश्वविद्यालय द्वारा बताई गई सिफारिशों के अनुसार करें ताकि कपास का उत्पादन अधिक से अधिक हो सके तथा समय-समय पर विश्वविद्यालय व कृषि विभाग से संपर्क बनाए रखें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक सवेरा.....

दिनांक 23.4.2021....पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम.....1.2.....

किसान कृषि विशेषज्ञों की राय के अनुसार ही करें कपास फसल की बिजाई : प्रो. बलदेव राज

सिरसा, (सवेरा): हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार एवं कृषि विभाग हरियाणा द्वारा संयुक्त रुप से 28 अप्रैल 2021 तक प्रदेश के सभी जिलों में कपास फसल के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इन विशेष प्रशिक्षण शिविर में किसानों को कपास फसल बिजाई के लिए खाद, बीज व अन्य तकनीकी पहलुओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी जा रही है। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज कंबोज ने बताया कि पिछले वर्ष कपास बिजाई क्षेत्रों में फसल में बीमारी एवं अन्य समस्याओं का प्रकोप बहुतायत मात्रा में हुआ था, जिसे ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय द्वारा प्रदेशभर में विशेष प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में कृषि विभाग से जुड़े सभी अधिकारी, एटीएम, बीटीएम एवं कृषि सुपरवाइजर को प्रशिक्षित किया जा रहा है ताकि समय-समय पर किसानों को कपास फसल में आने वाली समस्याओं से अवगत कराया जा सके व उनका निदान बताया जा सके।उन्होंने किसानों से आह्वान किया है कि वे कृषि विशेषज्ञों द्वारा बताई गई सिफारिशों के अनुसार ही कपास की बिजाई करें ताकि अधिक से अधिक उत्पादन हो। साथ ही किसान समय-समय पर विश्वविद्यालय व कृषि विभाग के अधिकारियों से भी संपर्क में रखें और नई-नई तकनीकों के बारे में जानकारी प्राप्त करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....वीर अर्जुन.....

दिनांक 23.4.2021....पृष्ठ संख्या.....12.....कॉलम.....2-3.....

विशेषज्ञों की राय अनुसार करें फसल की बिजाईः प्रो. बलदेव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार एवं कृषि विभाग हरियाणा द्वारा संयुक्त रुप से 28 अप्रैल 2021 तक प्रदेश के सभी जिलों में कपास फसल के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इन विशेष प्रशिक्षण शिविर में किसानों को कपास फसल बिजाई के लिए खाद, बीज व अन्य तकनीकी पहलुओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी जा रही है। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज कंबोज ने बताया कि पिछले वर्ष कपास बिजाई क्षेत्रों में फसल में बीमारी एवं अन्य समस्याओं का प्रकोप बहुतायत मात्रा में हुआ था, जिसे ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय द्वारा प्रदेशभर में विशेष प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में कृषि विभाग से जुड़े सभी अधिकारी, एटीएम, बीटीएम एवं कृषि सुपरवाइजर को प्रशिक्षित किया जा रहा है ताकि समय-समय पर किसानों को कपास फसल में आने वाली समस्याओं से अवगत कराया जा सके व उनका निदान बताया जा सके।उन्होंने किसानों से आह्वान किया है कि वे कृषि विशेषज्ञों द्वारा बताई गई सिफारिशों के अनुसार ही कपास की बिजाई करें ताकि अधिक से अधिक उत्पादन हो।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक जागरण........

दिनांक 23..4..2021..पृष्ठ संख्या........3..........कॉलम........4..........

कृषि वैज्ञानिकों की सलाह के अनुसार करें कपास की बिजाई : कांबोज

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने कहा कि किसान कपास की फसल की बिजाई विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा बताई गई सिफारिशों अनुसार करें। किसान को अपनी फसल की अच्छी पैदावार मिले तथा अधिक से अधिक मुनाफा हो। उन्होंने कहा कि गत वर्ष बीमारियों से प्रभावित हुई फसलों की जांच-पड़ताल से पता चला कि जिन किसानों ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा की गई सिफारिशों अनुसार फसल की बिजाई की थी उनकी फसलों में बीमारियों का असर अन्य फसलों की तुलना में बहुत कम था। समय-समय पर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक भी किसानों से सोशल मीडिया, प्रिंट मीडिया व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से किसानों से संपर्क में रहेंगे।

28 अप्रैल तक चलाया जाएगा अभियान : अनुसंधान निदेशक

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डा. एसके सहरावत के अनुसार इस अभियान को सफल बनाने के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की एक टीम गठित कर दी गई है। यह अभियान 28 अप्रैल तक चलाया जाएगा। टीम में विश्वविद्यालय की ओर से आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग से सहायक वैज्ञानिक डा. सोमवीर, सहायक सस्य विज्ञानी डॉ. करमल सिंह आदि को शामिल किया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब केसरी.....

दिनांक 23.4.2021....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....5.8.....

'एच.ए.यू. व कृषि विभाग मिलकर कपास फसल की बिजाई के लिए जिलेवार कर रहा जागरूक'

हिसार, 22 अप्रैल (पंकेस): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि किसान कपास की फसल की बिजाई विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा बताई गई सिफारिशों अनुसार करें, ताकि किसान को अपनी फसल की अच्छी पैदावार मिले तथा अधिक से अधिक मुनाफा हो। उन्होंने कहा कि गत वर्ष बीमारियों से प्रभावित हुई फसलों की जांच-पड़ताल से पता चला कि जिन किसानों ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा की गई सिफारिशों अनुसार फसल की बिजाई की थी, उनकी फसलों में बीमारियों का असर अन्य फसलों की तुलना में बहुत कम था। इसलिए किसान वैज्ञानिकों की सिफारिशों अनुसार फसलों की बिजाई करें, ताकि अधिक से अधिक फसल उत्पादन मिल सके। समय-समय पर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक भी किसानों से सोशल मीडिया, प्रिंट मीडिया व इलैक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से किसानों से संपर्क में रहेंगे। इसके लिए प्रदेश का कृषि विभाग एवं एच.ए.यू. के वैज्ञानिक संयुक्त रूप से एक जागरूकता अभियान भी जिलेवार चला रहे हैं।

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत के अनुसार इस अभियान को सफल बनाने के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की एक टीम गठित कर दी गई है। यह अभियान 28 अप्रैल तक चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस टीम में विश्वविद्यालय की ओर से आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग से सहायक वैज्ञानिक डॉ. सोमवीर, सहायक सस्य विज्ञानी डॉ. करमल सिंह, प्लांट पैथोलोजिस्ट डॉ. मनमोहन सिंह, कीट विज्ञानी डॉ. अनिल को शामिल किया गया है। टीम में एक मृदा वैज्ञानिक और प्लांट पैथोलोजिस्ट भी शामिल होंगे, जो मिट्टी की जांच आदि की जानकारी देंगे। इसके अलावा कृषि विभाग से जुड़े सभी अधिकारी, ए.टी.एम., बी.टी.एम. एवं कृषि सुपरवाइजर को इस प्रशिक्षण में प्रशिक्षित किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक भास्कर........

दिनांक 22.4.2021...पृष्ठ संख्या.....6.........कॉलम.....1-6.......

ट्रायल • किसान ड्रैगन फ्रूट की व्यापक स्तर पर कर सकते हैं खेती, एचएयू ने भी ट्रायल के तौर पर आधा एकड़ में उगाई

किसान ड्रैगन फ्रूट के साथ पपीता, भिंडी उगाकर बढ़ा सकते हैं आमदनी, एक बार उगाने पर 20 साल तक उत्पादन, प्रति एकड़ 4-5 टन फल मिलेगा

ड्रैगन फ्रूट की फसल दिखाता एचएयू का वैज्ञानिक।

महबूब अली | हिसार

अब प्रदेश के किसान ड्रैगन फ्रूट की खेती घर के आंगन के साथ साथ व्यापक स्तर पर करके भी आमदनी बढ़ा सकते हैं। इसके लिए एचएयू ने ट्रायल के तौर पर करीब आधा एकड़ में ड्रैगन फ्रूट उगाई है। एचएयू के वैज्ञानिक किसानों को ड्रैगन फ्रूट के साथ-साथ भिंडी, पपीता उगाने के टिप्स भी दे रहे हैं। किसान एक बार फसल लगाकर 20 साल तक 4-5 टन फल प्रति एकड़ पा सकते हैं।

एचएयू के कुलपति डॉ. बीआर कम्बोज ने बताया कि किसानों की आमदनी बढ़ाने के उद्देश्य से किसानों को ड्रैगन फ्रूट की खेती करने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। एचएयू के वानिकी विभाग के अध्यक्ष डॉ. आरएस ढिल्लो और सहायक वैज्ञानिक डॉ. करण ने बताया कि ड्रैगन फ्रूट कैक्टस प्रजाति का है। इसमें पानी की खपत बहुत कम होती है साथ ही इसके पौधे में कीड़े भी नहीं लगते। विदेशों में मांग अधिक होने के चलते इसकी कीमत भी अधिक है। इसमें काफी मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट के गुण होते हैं। इसके अलावा विटामिन सी, प्रोटीन व कैल्शियम भी भरपूर होता है।

कैसे करें ड्रैगन फ्रूट की खेती : एचएयू की सहायक वैज्ञानिक डॉ. छवि सिरोही ने बताया कि इसकी खेती के लिए सबसे पहले जमीन की जुताई करनी होगी। जुताई के बाद ड्रैगन फ्रूट के पौधे को खेत में लगाएं। इसे लगाने से पहले इसके लिए 6 फुट लंबे आरसीसी पोल लगाने होंगे। हर पौधे के बीच कम से कम 6 फुट की दूरी होनी चाहिए। सिंचाई में ज्यादा पानी की आवश्यकता नहीं होती। इसका पौधा 60-200 रुपए तक मिल जाएगा। पौधे की कीमत इस बात पर निर्भर करती है कि पौधा कितना पुराना है। 3 साल पुराने पौधे लगाने पर उपज जल्दी मिलती है। मानसून में ड्रैगन फ्रूट तैयार होता है। मानसून के चार महीने में प्रत्येक 40 दिनों के अंतराल में फल पकते हैं। एक फल का वजन औसतन 100 से 300 ग्राम तक होता है। वर्तमान में ड्रैगन फ्रूट 250 से लेकर 300 रुपये प्रति किलो तक मिल रहा है।

जानिए... ड्रैगन फ्रूट की प्रमुख प्रजातियां

- **हाइलोकेरेस अनडट्सः** इसमें गुलाबी त्वचा के साथ सफेद गूदा पाया जाता है।
- **हाइलोकेरेस कोस्टारिसेकिसः** इसमें गुलाबी त्वचा के साथ-साथ लाल गूदा पाया जाता है। जिसे हाइलोकेरेस पोलिरमम के नाम से भी जाना जाता है।
- **हाइलोकेरेस सेलेनिसरस** : इसमें पीली त्वचा के साथ-साथ सफेद गूदा भी पाया जाता है। तीनों किस्मों में एक एकड़ में 4 से 5 टन तक फ्रूट प्राप्त किया जा सकता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं	23.04.2021	--	--

कपास उत्पादक जिलों में एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर लगाना, कपास की खेती को बढ़ावा देना और किसानों की आमदनी बढ़ाना उद्देश्य

अच्छी पैदावार के लिए 15 मई तक कर लें कपास की बिजाई

– पिछले साल जिन खेतों में या गाँव में थी गुलाबी सुंडी की समस्या, उन खेतों की लकड़ियां, टिंडे व पत्तों को झाड़ कर पहले कर दें नष्ट

28 अप्रैल तक चलेगा पहला चरण

कृषि द्वारा कपास की खेती के लिए यह दिए जा रहे सुझाव

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी दिल्ली	23.04.2021	--	--

किसान कृषि विशेषज्ञों की राय के अनुसार ही करें कपास फसल की बिजाई

सिरसा,(दीपक शर्मा):हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार एवं कृषि विभाग हरियाणा द्वारा संयुक्त रुप से 28 अप्रैल 2021 तक प्रदेश के सभी जिलों में कपास फसल के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है।इन विशेष प्रशिक्षण शिविर में किसानों को कपास फसल बिजाई के लिए खाद, बीज व अन्य तकनीकी पहलुओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी जा रही है हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज कंबोज ने बताया कि पिछले वर्ष कपास बिजाई क्षेत्रों में फसल में बीमारी एवं अन्य समस्याओं का प्रकोप बहुतायत मात्रा में हुआ था, जिसे ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय द्वारा प्रदेशभर में विशेष प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन

● एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर लगाया

किया जा रहा है। इन शिविरों में कृषि विभाग से जुड़े सभी अधिकारी, एटीएम, बीटीएम एवं कृषि सुपरवाइजर को प्रशिक्षित किया जा रहा है ताकि समय-समय पर किसानों को कपास फसल में आने वाली समस्याओं से अवगत कराया जा सके व उनका निदान बताया जा सके।उन्होंने किसानों से आह्वान किया है कि वे कृषि विशेषज्ञों द्वारा बताई गई सिफारिशों के अनुसार ही कपास की बिजाई करें ताकि अधिक से अधिक उत्पादन हो। साथ ही किसान समय-समय पर विश्वविद्यालय व कृषि विभाग के अधिकारियों से भी संपर्क में रखें और नई-नई तकनीकों के बारे में जानकारी प्राप्त करें।किसान बीटी कपास का सिफारिश किया हुआ बीज ही लें और बीटी कपास के दो पैकेट प्रति एकड़ के हिसाब से बिजाई करें। कतार से कतार व पौधे से पौधे की दूरी 100&45 सेंटीमीटर या 67.5&60 सेंटीमीटर रखें। किसान बीटी कपास की बिजाई 15 मई तक अवश्य पूरा कर लें। पूर्व से पश्चिम की दिशा में बिजाई लाभकारी होती है। बीटी कपास की बिजाई के समय एक एकड़ में एक बैग यूरिया एक बैग डीएपी 30 से 40 किलो व 10 किलो जिंक सल्फेट (21 प्रतिशत) खेत की तैयारी के समय अवश्य डालें। बीटी कपास में जहां खुला पानी लगता है वहां पहला पानी बिजाई के 45-50 दिन या इसके बाद ही लगाएं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टुडे न्यूज	23.04.2021	--	--

कृषि वैज्ञानिकों द्वारा बताई गई सिफारिशों अनुसार करें कपास की बिजाई : काम्बोज

टुडे न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि किसान कपास की फसल की बिजाई विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा बताई गई सिफारिशों अनुसार करें ताकि किसान को अपनी फसल की अच्छी पैदावार मिले तथा अधिक से अधिक मुनाफा हो। उन्होंने कहा कि गत वर्ष बीमारियों से प्रभावित हुई फसलों की जांच-पड़ताल से पता चला कि जिन किसानों ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा की गई सिफारिशों अनुसार फसल की बिजाई की थी उनकी फसलों में बीमारियों का असर अन्य फसलों की तुलना में बहुत कम था। इसलिए किसान वैज्ञानिकों की सिफारिशों अनुसार फसलों की बिजाई करें ताकि अधिक से अधिक फसल उत्पादन मिल सके। समय-समय पर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक भी किसानों से सोशल मीडिया, प्रिंट मीडिया व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से किसानों से संपर्क में रहेंगे। इसके लिए प्रदेश का कृषि विभाग एवं एचएयू के वैज्ञानिक संयुक्त रूप से एक जागरूकता अभियान भी जिलेवार चला रहे हैं।

प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत के अनुसार इस अभियान को सफल बनाने के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की एक टीम गठित कर दी गई है। यह अभियान 28 अप्रैल तक चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस टीम में विश्वविद्यालय की ओर से आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग से सहायक वैज्ञानिक डॉ. सोमवीर, सहायक सस्य विज्ञानी डॉ. करमल सिंह, प्लांट पैथोलोजिस्ट डॉ. मनमोहन सिंह, कीट विज्ञानी डॉ. अनिल को शामिल किया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार न्यूज	23.04.2021	--	--

विश्व पृथ्वी दिवस पर विश्वविद्यालय के किसान छात्रावास के प्रांगण में किया पौधारोपण

हैलो हिसार न्यूज

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि पृथ्वी जो कि सभी जीवों का पोषण करती है, मगर प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन के कारण पर्यावरण में असंतुलन बढ़ रहा है, जिसकी वजह से स्थिति दयनीय होती जा रही है। ऐसे में हमें पृथ्वी के प्रति अपने कर्तव्यों को समझना पड़ेगा और इसे बेहतर बनाने में योगदान देना होगा। लगातार वृक्षों की कटाई, प्राकृतिक संसाधनों के साथ छेड़छाड़, अंधाधुंध रसायनिक खाद, कीटनाशकों, खरपतवारनाशी व प्लास्टिक के प्रयोग से हमारी धरती का स्वरूप एवं पर्यावरण खराब होता जा रहा है। ऐसे में इसे बचाए रखने के लिए समाज को अहम कदम उठाते हुए सामूहिक प्रयासों की जरूरत है। ये विचार उन्होंने विश्व पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के किसान छात्रावास के प्रांगण में पौधारोपण करने के उपरांत कहे।

कार्यक्रम का आयोजन भू-दृश्य इकाई के नियंत्रण अधिकारी डॉ. देवेंद्र दहिया की देखरेख में किया गया। प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि पहली बार 22 अप्रैल 1970 को विश्व पृथ्वी दिवस मनाया गया था। आगे चलकर इस दिन को मनाने के निर्णय को विश्व के लगभग सभी देशों ने स्वीकार किया और बदलते पर्यावरण की समस्या की गंभीरता को देखते हुए इसे प्रतिवर्ष विश्वभर में मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि प्रतिवर्ष विश्व पृथ्वी दिवस के लिए एक विषय निर्धारित किया जाता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	23.04.2021	--	--

कृषि वैज्ञानिकों द्वारा बताई गई सिफारिशों अनुसार करें कपास की बिजाई : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

हैलो हिसार न्यूज

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि किसान कपास की फसल की बिजाई विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा बताई गई सिफारिशों अनुसार करें ताकि किसान को अपनी फसल की अच्छी पैदावार मिले तथा अधिक से अधिक मुनाफा हो। उन्होंने कहा कि गत वर्ष बीमारियों से प्रभावित हुई फसलों की जांच-पड़ताल से पता चला कि जिन किसानों ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा की गई सिफारिशों अनुसार फसल की बिजाई की थी उनकी फसलों में बीमारियों का

असर अन्य फसलों की तुलना में बहुत कम था। इसलिए किसान वैज्ञानिकों की सिफारिशों अनुसार फसलों की बिजाई करें ताकि अधिक से अधिक फसल उत्पादन मिल सके। समय-समय पर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक भी किसानों से सोशल मीडिया, प्रिंट मीडिया व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से किसानों से संपर्क में रहेंगे। इसके लिए प्रदेश का कृषि विभाग एवं एचएयू के वैज्ञानिक संयुक्त रूप से एक जागरूकता अभियान भी जिलेवार चला रहे हैं।

28 अप्रैल तक चलाया जाएगा अभियान : अनुसंधान निदेशक

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत के अनुसार इस अभियान को सफल बनाने के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की एक टीम गठित कर दी गई है। यह अभियान 28 अप्रैल तक चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस टीम में विश्वविद्यालय की ओर से आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग से सहायक वैज्ञानिक डॉ. सोमवीर, सहायक सस्य विज्ञानी डॉ. करमल सिंह, प्लांट पैथोलोजिस्ट डॉ. मनमोहन सिंह, कीट विज्ञानी डॉ. अनिल को शामिल किया गया है। टीम में एक मृदा वैज्ञानिक और प्लांट पैथोलोजिस्ट भी शामिल होंगे, जो मिट्टी की जांच आदि की जानकारी देंगे। इसके अलावा कृषि विभाग से जुड़े सभी अधिकारी, ए.टी.एम., बी.टी.एम. एवं कृषि सुपरवाइजर को इस प्रशिक्षण में प्रशिक्षित किया जाएगा। कपास अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. ओमेंद्र सांगवान ने बताया कि कपास अनुभाग के वैज्ञानिक लगातार कपास फसल में पैराविल्ट, पोषक तत्वों की कमी, सूखे के कारण कपास फसल के सूखने के कारणों का पता लगाएंगे ।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष	23.04.2021	--	--

कृषि वैज्ञानिकों द्वारा बताई गई सिफारिशों अनुसार करें कपास की बिजाई : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 22 अप्रैल : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि किसान कपास की फसल की बिजाई विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा बताई गई सिफारिशों अनुसार करें ताकि किसान को अपनी फसल की अच्छी पैदावार मिले तथा अधिक से अधिक मुनाफा हो। उन्होंने कहा कि गत वर्ष बीमारियों से प्रभावित हुई फसलों की जांच-पड़ताल से पता चला कि जिन किसानों ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा की गई सिफारिशों अनुसार फसल की बिजाई की थी उनकी फसलों में बीमारियों का असर अन्य फसलों की तुलना में बहुत कम था। इसलिए किसान वैज्ञानिकों की सिफारिशों अनुसार फसलों की बिजाई करें ताकि अधिक से अधिक फसल उत्पादन मिल सके। समय-समय पर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक भी किसानों से सोशल मीडिया, प्रिंट मीडिया व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से किसानों से संपर्क में रहेंगे। इसके लिए प्रदेश का कृषि विभाग एवं एचएयू के वैज्ञानिक संयुक्त रूप से एक जागरूकता अभियान भी जिलेवार चला रहे हैं। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत के अनुसार इस अभियान को सफल बनाने के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की एक टीम गठित कर दी गई है। यह अभियान 28 अप्रैल तक चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस टीम में विश्वविद्यालय की ओर से आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग से सहायक वैज्ञानिक डॉ. सोमवीर, सहायक सस्य विज्ञानी डॉ. करमल सिंह, प्लांट पैथोलोजिस्ट डॉ. मनमोहन सिंह, कीट विज्ञानी डॉ. अनिल को शामिल किया गया है। टीम में एक मृदा वैज्ञानिक और प्लांट पैथोलोजिस्ट भी शामिल होंगे, जो मिट्टी की जांच आदि की जानकारी देंगे। इसके अलावा कृषि विभाग से जुड़े सभी अधिकारी, ए.टी.एम., बी.टी.एम. एवं कृषि सुपरवाइजर को इस प्रशिक्षण में प्रशिक्षित किया जाएगा। कपास अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. ओमेंद्र सांगवान ने बताया कि कपास अनुभाग के वैज्ञानिक लगातार कपास फसल में पैराविल्ट, पोषक तत्वों की कमी, सूखे के कारण कपास फसल के सूखने के कारणों का पता लगाएंगे और इनके निदान की संभावनाएं तलाशेंगे। इसके अलावा किसानों के खेतों में पांच या इससे अधिक स्थानों पर जहां हल्की मिट्टी है, प्रदर्शनी प्लांट लगाकर किसानों को जागरूक किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	22.04.2021	--	--

ध हिसार, वीरवार, 22 अप्रैल 2021 2

किसान वैज्ञानिकों द्वारा बताई गई सिफारिशों अनुसार करें फसल बिजाई : कुलपति

हिसार/22 अप्रैल/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने कहा कि किसान कपास की फसल की बिजाई विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा बताई गई सिफारिशों अनुसार करें ताकि किसान को अपनी फसल की अच्छी पैदावार मिले तथा अधिक से अधिक मुनाफा हो। उन्होंने कहा कि गत वर्ष बीमारियों से प्रभावित हुई फसलों की जांच-पड़ताल से पता चला कि जिन किसानों ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा की गई सिफारिशों अनुसार फसल की बिजाई की थी उनकी फसलों में बीमारियों का असर अन्य फसलों की तुलना में बहुत कम था। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत के अनुसार वैज्ञानिकों की एक टीम गठित कर दी गई है जो किसानों को जागरूक करेगी। टीम में आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग से सहायक वैज्ञानिक डॉ. सोमवीर, सहायक सस्य विज्ञानी डॉ. करमल सिंह, प्लांट पैथोलोजिस्ट डॉ. मनमोहन सिंह, कीट विज्ञानी डॉ. अनिल को शामिल किया गया है। कपास अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. ओमेंद्र सांगवान ने बताया कि कपास अनुभाग के वैज्ञानिक कपास फसल में पैराविल्ट, पोषक तत्वों की कमी, सूखे के कारण कपास फसल के सूखने के कारणों का पता लगाएंगे और इनके निदान की संभावनाएं तलाशेंगे। इसके अलावा किसानों के खेतों में पांच या इससे अधिक स्थानों पर जहां हल्की मिट्टी है, प्रदर्शनी प्लांट लगाकर किसानों को जागरूक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसान बीटी कपास के दो पैकेट प्रति एकड़ के हिसाब से बिजाई करें और कतार से कतार की व पौधे से पौधे की दूरी 100 सेंटीमीटर व 45 सेंटीमीटर अथवा 67.5 सेंटीमीटर या 60 सेंटीमीटर रखें। साथ ही किसान 15 मई तक बीटी कपास की बिजाई पूरी करते हुए इसमें प्रति एकड़ के हिसाब से एक बैग यूरिया, एक बैग डीएपी, 30 से 40 किलोग्राम पोटाश व 10 किलो जिंक सल्फेट (21 प्रतिशत) खेत की तैयारी के समय अवश्य डालें। फसल बिजाई के बाद जहां खुला पानी मौजूद है वहां 45 से 50 दिन या इसके बाद ही पानी लगाएं और रेतीले इलाके में जहां फव्वारा विधि से पानी लगता है वहां भी कपास उगने के चार-पांच दिन बाद ही पानी लगा दें। कपास की शुरूआती अवस्था में ज्यादा जहरीले कीटनाशकों का प्रयोग नहीं करना चाहिए इससे मित्र कीटों की संख्या कम हो जाती है। इसके अलावा बीते वर्ष जिन खेतों में या गांव में गुलाबी सुंडी की समस्या थी उन खेतों की लकड़ियां, टिंडे व पत्तों को झाड़ कर नष्ट कर दें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	22.04.2021	--	--

कृषि वैज्ञानिकों की सिफारिशों अनुसार करें कपास की बिजाई : प्रो. काम्बोज

कुलपति बोले, एचएयू व कृषि विभाग मिलकर कपास फसल की बिजाई के लिए जिलेवार कर रहा जागरूक

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि किसान कपास की फसल की बिजाई विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा बताई गई सिफारिशों अनुसार करें ताकि किसान को अपनी फसल की अच्छी पैदावार मिले तथा अधिक से अधिक मुनाफा हो। उन्होंने कहा कि गत वर्ष बीमारियों से प्रभावित हुई फसलों की जांच-पड़ताल से पता चला कि जिन किसानों ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा की गई सिफारिशों अनुसार फसल की बिजाई की थी उनकी फसलों में बीमारियों का असर अन्य फसलों की तुलना में बहुत कम था। इसलिए किसान वैज्ञानिकों की सिफारिशों अनुसार फसलों की बिजाई करें ताकि अधिक से अधिक कपास उत्पादन मिल सके। इसके लिए प्रदेश का कृषि विभाग एवं एचएयू के वैज्ञानिक संयुक्त रूप से एक जागरूकता अभियान भी जिलेवार चला रहे हैं।

28 अप्रैल तक चलाया जाएगा अभियान : डॉ. सहरावत

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत के अनुसार इस अभियान को सफल बनाने के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की एक टीम गठित कर दी गई है। यह अभियान 28 अप्रैल तक चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस टीम में विश्वविद्यालय की ओर से अनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग से सहायक वैज्ञानिक डॉ. सोमवीर, सहायक सस्य विज्ञानी डॉ. करमल सिंह, प्लांट पैथोलोजिस्ट डॉ. मनमोहन सिंह, कीट विज्ञानी डॉ. अनिल को शामिल किया गया है। टीम में एक मृदा वैज्ञानिक और प्लांट पैथोलोजिस्ट भी शामिल होंगे, जो मिट्टी की जांच आदि की जानकारी देंगे।

पोषक तत्वों की कमी का लगाएंगे पता : डॉ. सांगवान

कपास अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. ओमेंद्र सांगवान ने बताया कि कपास अनुभाग के वैज्ञानिक लगातार कपास फसल में पैराविल्ट, पोषक तत्वों की कमी, सूखे के कारण कपास फसल के मुरझाने के कारणों का पता लगाएंगे और इनके निदान की संभावनाएं तलाशेंगे। इसके अलावा किसानों के खेतों में पांच या इससे अधिक स्थानों पर जहां हल्की मिट्टी है, प्रदर्शनी प्लांट लगाकर किसानों को जागरूक किया जाएगा।

ऐसे करें कपास की बिजाई

कपास अनुभाग के वैज्ञानिकों ने किसानों को बीटी कपास का सिफारिश किया हुआ बीज खरीदने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा जिले के कृषि विभाग के अधिकारियों व कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिक प्रशिक्षण के माध्यम से किसानों को कपास उत्पादन से संबंधित नवीनतम जानकारी प्रदान करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि किसान बीटी कपास के दो पैकेट प्रति एकड़ के हिसाब से बिजाई करें और कतार से कतार की व पौधे से पौधे की दूरी 100 सेंटीमीटर व 45 सेंटीमीटर अथवा 67.5 सेंटीमीटर या 60 सेंटीमीटर रखें।

कपास अनुभाग के वैज्ञानिकों ने किसानों का आह्वान किया कि किसान 15 मई तक बीटी कपास की बिजाई पूरी करते हुए इसमें प्रति एकड़ के हिसाब से एक बैग यूरिया, एक बैग डी.ए.पी., 30 से 40 किलोग्राम पोटाश व 10 किलो जिंक सल्फेट (21 प्रतिशत) खेत की तैयारी के समय अवश्य डालें। कपास बिजाई के बाद जहां खुला पानी मौजूद है वहां 45 से 50 दिन या इसके बाद ही पानी लगाएं और रेतीले इलाके में जहां फव्वारा विधि से पानी लगता है वहां भी कपास उगने के चार-पांच दिन बाद ही पानी लगा दें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिंदुस्तान समाचार एजेंसी	23.04.2021	--	--

dailyhunt

हिन्दुस्थान समाचार
585k Followers

प्राकृतिक संसाधनों के दोहन ने बिगाड़ा पृथ्वी का संतुलन: कुलपति

विश्व पृथ्वी दिवस पर विश्वविद्यालय के किसान छात्रावास के प्रांगण में किया पौधारोपण

हिसार, 22 अप्रैल (हि.स.)। यहां के हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा है कि पृथ्वी जो कि सभी जीवों का पोषण करती है, मगर प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन के कारण पर्यावरण में असंतुलन बढ़ रहा है, जिसकी वजह से विपत्ति दस्तक दे रही है। ऐसे में हमें पृथ्वी के प्रति अपने कर्तव्यों को समझना पड़ेगा और इसे बेहतर बनाने में योगदान देना होगा। अन्धाधार वृक्षों की कटाई, अप्राकृतिक संसाधनों के साथ छेड़छाड़, अंधाधुंध रासायनिक खाद, कीटनाशकों, खरपतवारनाशी व प्लास्टिक के प्रयोग से हमारी धरती का स्वरूप एवं पर्यावरण खराब होता जा रहा है।

ऐसे में इसे बचाए रखने के लिए समाज को अहम कदम उठाते हुए सामूहिक पहलों की जरूरत है।

प्रो. काम्बोज विश्व पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के किसान छात्रावास के प्रांगण में पौधारोपण करने के उपरांत कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन मृ-रक्षण इकाई के नियंत्रण अधिकारी डॉ. देवेंद्र दहिया की देखरेख में किया गया। प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि पहली बार 22 अप्रैल 1970 को विश्व पृथ्वी दिवस मनाया गया था। आगे चलकर इस दिन को मनाने के निर्णय को विश्व के अनेकानेक सभी देशों ने स्वीकार किया और बढ़ते पर्यावरण की समस्या की गंभीरता को देखते हुए इसे वर्तमान विश्वस्तर में मनाया जाता है।

उन्होंने बताया कि वर्तमान विश्व पृथ्वी दिवस के लिए एक विषय निर्धारित किया जाता है। इस वर्ष की थीम पृथ्वी को पुनः स्थापित करना रखा गया है। पृथ्वी को स्वस्थ व पहले की तरह बनाने के लिए हम सभी का कर्तव्य है कि अपनी धरती को हरा-भरा और बेहतर बनाने का संकल्प लेना पड़ेगा ताकि संसार के सभी पेड़-पौधों, पशु-पक्षियों एवं जंतुओं की जैव विविधता का संरक्षण किया जा सके।

हिन्दुस्थान समाचार/राजेश्वर/संजीव

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिंदुस्तान समाचार एजेंसी	23.04.2021	--	--

dailyhunt

हिन्दुस्थान समाचार
585k Followers

हिसार : कृषि वैज्ञानिक कर रहे अपील, सिफारिशों अनुसार करें कपास की बिजाई

22 Apr 2021 , 4:44 PM

–एचएयू व कृषि विभाग मिलकर कपास फसल की बिजाई के लिए जिलेवार कर रहा जागरूकहिसार, 22 अप्रैल (हि.स.)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा है कि किसान कपास की फसल की बिजाई विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा बताई गई सिफारिशों अनुसार करें ताकि किसान को अपनी फसल की अच्छी पैदावार मिले तथा अधिक से अधिक मुनाफा हो।

कुलपति ने वीरवार को कहा कि गत वर्ष बीमारियों से प्रभावित हुई फसलों की जांच पड़ताल से पता चला कि जिन किसानों ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा की गई सिफारिशों अनुसार फसल की बिजाई की थी उनकी फसलों में बीमारियों का असर अन्य फसलों की तुलना में बहुत कम था। इसलिए किसान वैज्ञानिकों की सिफारिशों अनुसार फसलों की बिजाई करें ताकि अधिक से अधिक फसल उत्पादन मिल सके। समय-समय पर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक भी किसानों से सोशल मीडिया, प्रिंट मीडिया व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से किसानों से संपर्क में रहेंगे। इसके लिए प्रदेश का कृषि विभाग एवं एचएयू के वैज्ञानिक संयुक्त रूप से एक जागरूकता अभियान भी जिलेवार चला रहे हैं। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत के अनुसार इस अभियान को सफल बनाने के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की एक टीम गठित की गई है। यह अभियान 28 अप्रैल तक चलाया जाएगा।